

एस डी ओ/ रीडर

॥ ६ ॥ फलवली कौम्य काले में प्रेशा <sup>उत्तरी</sup> फलवली  
के पाठना हो चुकी है <sup>उत्तरी</sup> किन्तु श्रुति  
की गती है फलवली प्रोत्साहन शुभ्र हेतु  
व्यक्त ले वक्त हो तथा वक्त <sup>उत्तरी</sup> जय  
शुभ्र है ) ए